

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ३—उप-चण्ड (द्वाः) (१) PART II—Section 3—Sub-section (4) (१)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

n 141

मई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1992/चैव 7, 1914

No. 141]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1992/CHAITRA 7, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्र्या **वी जाती है जिससे कि यह अलग संक**ाला के एन में रखा चा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

(1)

जल-भतल परिवहन मंद्रालय

(पन्तन पक्षा)

प्रधिसू**च**ना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1992

मा. का. ति. 373(अ) :-- केन्द्र मग्कार, महा पत्नन न्यास श्रधि-नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पटित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रकल गिष्मयों का प्रयोग करते हुए, मुद्रास पर्तन न्यामी मंडल द्वारा बनीए गए और इस श्रधिसूचना के साथ मेलका श्रनुसूची में मद्रास प्रमन न्यामी कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाव नौकरी में शाना) (पहला संगोधन) विनियम, 1992 का श्रनु-मीदन करती है।

2: उक्क विनियम इस अधिमूचना की गरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत्त होंगे।

[फा. सं₁ पी. श्रार. च 12016/2/92- पी. ई. 1]

श्रशीक जोशी, संयुक्त सचिव

मद्राम पोर्ट टस्ट

मद्राम पोर्ट दूस्ट वर्मचारी (मेक्षा नियुन्ति के बाद रोजधार स्वीकार कर्ना) (पहला संगोधन) विनयम 1993

महा पत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) के धारी 28 के तहन प्रदेत्त एक्नियो का प्रयोग करते हुए महाहू, पोर्ट ट्रस्ट मंड्रल निम्न-लिखिन संगोधन अधिनियम बनाका है :--

1. सघुर्मीषं∶

इन विनियमों को मद्राम पोर्ट ट्रस्ट कर्मधारी (सेवा निवृह्ति के बाद रोजगार स्वीकार करना) (पहला संशोधन) विनियम 1992 कहा जाएगा।

- मद्राम पोर्ट द्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद रोजगुर, स्थीकार करना) विनियम 1976 में निम्नलिखिन संगोधन किया जाएगा :---
 - (i) वर्तमान विनियम 4 के उप-विनियम (ई) को हटा विया जाएगा और विद्यमान उप-विनियम (एक) और (कि) को ; कमशः (ई) और (एक) ने अंकित किया जाएगा।
 - (ii) विद्यमान विनियम ६ को विनियम ৪ पढ़ा जाएगा।

- (iii) निम्नलिखित को विनियम 6 और 7 के रूप में जोड़ा जाएगा:
- प्रनुमित की मंजुरी या ना मंजुरी को गर्ते:

कितीको स्वीकार करने वाले उस छाधकारी को विनिमय गया 5 के तहत अनुमति देने या न देने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी निम्नालिखित तथ्यों का ध्यान रखेगा;---

- (1) नियोक्ता द्वारा लिए जाने वासे प्रस्तावित रोजगार की प्राप्ति और उसके पूर्ववृक्त ।
- (2) क्या उसके द्वारा स्वीकार किए गए रोजगार की प्रकृति से बोई के साथ उसका संबर्ध तो उल्पन्त नहीं हो सकता।
- (3) क्या वह प्रधिकारी जब सेवारत या उस समय वर्तमान नियंक्ति के साथ कोई सम्पर्क रखता था जिससे ऐसा संदेह हो कि प्रपनी सेवा के समय उस नियोक्ता को उसने कोई पक्षपात किया हो।
 - (4) क्या प्रस्तावित रोजगार पूर्णनः प्रतिष्ठित प्रकृति का है।

स्पष्टीकरण: बोर्ड के साथ सम्पर्क रखने वाले रोजगार पूर्णतः प्रिति प्रकृति के नहीं माने जाएंगे। प्रतृमित प्रदान करने समय फर्म की प्रतिष्ठा की भी ध्यान में रखा जाएगा।, उवाहरणार्थ प्रगर किसी फर्म को सरकार द्वारा दोषी टहराया गया है तो उसके द्वारा विए जाने काले रोजगार को प्रतिष्ठित नहीं माना जाएगा।

- (5) क्या इसके कर्त्तव्य इस प्रकार के होंगे जिससे उसके पूर्व पव या ज्ञान या प्रनुभव जो बोर्ड के लिए उपयोग में लाया जा रहें। धा उन्हें वर्तमान नियोक्ता के उपयोग में लाएगा तो यह प्रनृचित लाभ माना जाएगा।
- (6) प्रस्ताबित नियोक्ता द्वारा दी जाने वाली परिलब्धियों में महगाई भन्ते की राणि और ग्रन्थ भन्ते शामिल हैं।
- (7) क्या ऐसी कोई अपवाद स्वरूप परिस्थितियां है जिनसे उसे नामंजुरी दी जा सके।
 - (8) प्रत्य कोई संबंधित कारण।

7. भ्रपील

अगर किसी अधिकारी ने ऐसी अनुमति के लिए आवेदन किया हैतो उसके आवेदन पर सक्षम प्राधिकारी ने किसी मर्त के साथ अनुमति प्रदान की है अथवा नामजूर कर दी है तो सक्षम प्राधिकारी उक्त आदेश मिलने के पश्चात वह प्रधिकारी लगायी गई ऐसी मर्त अथवा मना ही के खिलाफ बोर्ड की अपना अभ्यायेदन देशा और बोर्ड उस पर जैसा उदित समझे आदेश, जारी करेगा।

पूर्वे प्रस्तावित भादेश पर कारण बताते हुए उस अधिकारी को प्रश्नीवैदन करने का मौका दिये वगैर ऐसी शर्तों को निरस्त करते हुए या बिना शर्तों के ऐसी अनुमति देते हुए आरोशों से इतर अन्य आदेश इन विनयमों के तहत नहीं बनाया जा सकता।

(4) निम्नलिखित की विनिमय 4 के रूप में जोड़ा जाए।

9. क्यास्या ैं।

इन विनियमों की ज्याख्या के संबंध में धगर कोई प्रश्न उठना है तो उक्त विषय को बोर्ड के सम्मुख प्रस्तृत किया जाएगा तथा इस संबंध में क्षोर्ड का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

पाद टिप्पणीः

प्रधान विनियम :

केन्द्रीय सरकार के जल भूतल परिवहन मंत्रालय के पत्न सं. पी. ईएस-15/76 विताक 17-4-1976 द्वारा मदास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृह्ति के उपरान्त रंजिंगार स्वीकार करना) विनियम भ्रमुमोदिस किया गया।

संगोधित विनियम

केन्द्रीय मरकार के जल भूरल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना मं, जी. एस. आर. 216(ई) दिनोक 15-4-91 द्वारा अनुमोदित और भारत का राजपत, भसाधारण भाग-II खण्ड 3 उपखण्ड (i) मे प्रकाणित मदास पोर्टट्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृद्धित के उपरांत रोजगार स्वीकार करना) (संबोधन) नियम, 1991।

ह/- ए. बालराज, आई. ए. एस., श्रध्यक्ष, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (Ports Wing) NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 1992

G.S.R. 373(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this noilifica-

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

> [No. PR-12016|2|92-PE.I) ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

MADRAS PORT TRUST

Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992.

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act 1963 (38 of 1963), the Madras Port Trust Board hereby makes the following Amendment Regulations:—

- 1. Short title.—These regulations shall be called the Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment after Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992
- 2. In the Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment after Retirement) Regulations, 1976, the following amendments shall be made:—
 - (i) The existing sub-regulation (e) of Regulation 4 shall be deleted and the existing sub-regulations (f) and (g) shall be renumbered as (e) and (f) respectively.
 - ii) The existing Regulation 6 shall be re-numbered as Regulation 8.
 - (iii) The following shall be inserted as Regulation 6 and 7:

- 6. Conditions for grant or refusal of permission: In granting or, refusing permission under regulation 4 or 5 to an officer for making up any employment, the competent authority shall have regard to the following factors, namely:—
 - The nature of employment proposed to be taken up and the antecedents of the employer;
 - (2) Whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him into conflict with the Board;
 - (3) Whether the Officer while in service had any such dealing with the employer under whole he proposes to seek employment as is might afford a reasonable basis for the suspicion that such Officer had shown favours to such employer;
 - (4) Whether the proposed employment is of a thoroughly reputable kind.
 - Explanation: Employment involking contract or liaison work with the Board will not be considered as employment of a thoroughly reputable kind. The reputation of of the firm, which offers employment will also be taken into account while granting permission. For instance, the fact that a firm is black-listed by Government will be one of the factors which will render the employment to be considered as not being of a reputable kind.
 - (5) Whether his duties will be such that his previous official position or knowledge or experience under the Board could be used to give the proposed employer an unfair advantage;
 - (6) the emoluments offered by the proposed employer and the quantum of Dearness Allowance and other allowances included in the emoluments; and
 - (7) Whether there are any exceptional circumstances, which would make the refusal of consent a real hardship.

- (8) Any other relevant factor.
- 7. Appeal:

When the competent authority grants the permission applied for, subject to any conditions or refuses such permission, the Officer, may within thirty days of the receipt of the order of the competent authority to that effect, make a representation to the Board against any such conditions or the refusal and the Board may make such orders thereon as it deems fit.

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this regulation without giving the officer making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

- (iv) The following shall be included as Regulation 9:
 - 9. Interretation:

If any question arises relating to the interpretation of these regulations, the matter shall be referred to the Board whose decision thereon shall be final.

FOOT NOTE:

Purincipal Regulations:

Madras Port Trust Employee's (Acceptance of Employment After Retirement) Regulations, 1976, approved by the Central Government vide Ministry of Surface Transport's Jetter No. PEM-15/76 dated 17-4-76.

Amendment Regulations

Madras Port Trust Employees' (Acceptance of Employment after Retirement) (Amendment) Regulations, 1991 approved by the Central Government vide Ministry of Surface Transport's Notification No. GSR 216(E) dated 15-4-91 published in Part II Section 3 Sub-section (i) of the Gazette of India Extraordinary dated 15-4-91.

A. BALRAJ, I.A.S., Chairman, Madras Port Trust.